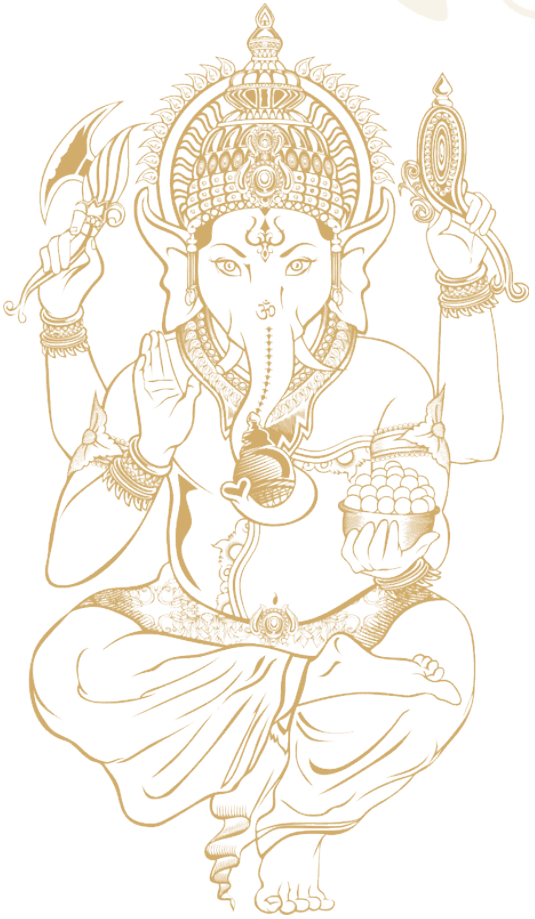

Kunal Ambekar

04 Sep 1991

08:40 PM

Kandivli

Model: web-freekundliweb

Order No: 119141306

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/1991**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:40:00 घंटे**
इष्ट	35:39:45 घटी
स्थान	**Kandivli**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:14:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:01:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:45 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:17 घंटे
सूर्योदय	06:24:06 घंटे
सूर्यास्त	18:51:18 घंटे
दिनमान	12:27:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:50:49 सिंह
लग्न के अंश	23:33:57 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	23:33:57	453:47:41	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			सिंह	17:50:49	00:58:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मिथु	25:55:56	14:29:14	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	08:24:58	00:38:43	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			सिंह	00:26:46	00:33:58	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	04:37:21	00:12:57	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	28:46:36	00:20:42	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	07:11:26	00:02:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु	व		धनु	23:54:05	00:00:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	23:54:05	00:00:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:10:50	00:00:44	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:22:05	00:00:41	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:12:59	00:01:15	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			धनु	18:44:42	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:44

लग्न-चलित

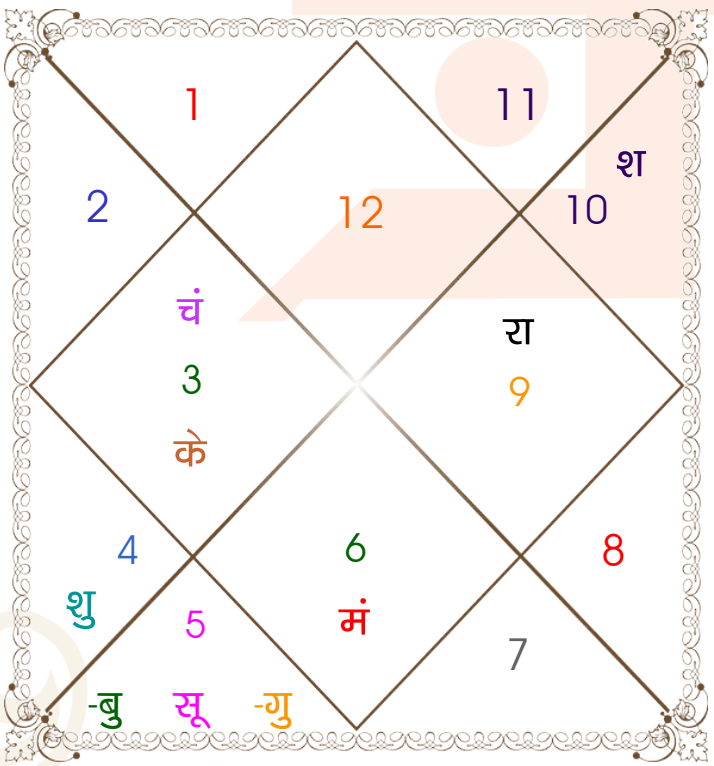

चन्द्र कुंडली

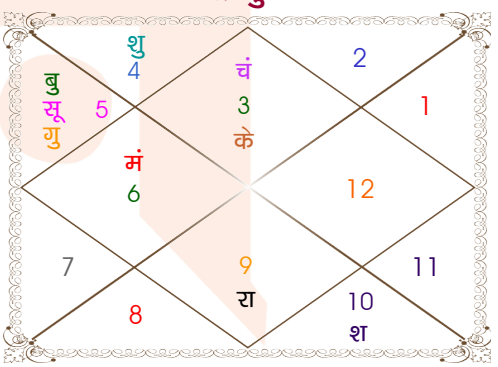

नवमांश कुंडली

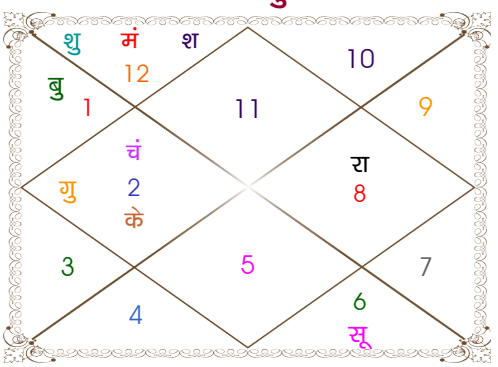

Astronomics
Andheri west
76653 53667
vikram9780@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 10 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/09/1991		22/07/2000		23/07/2019		22/07/2036		23/07/2043	
22/07/2000		23/07/2019		22/07/2036		23/07/2043		23/07/2063	
	00/00/0000	शनि	26/07/2003	बुध	19/12/2021	केतु	18/12/2036	शुक्र	22/11/2046
	00/00/0000	बुध	04/04/2006	केतु	16/12/2022	शुक्र	18/02/2038	सूर्य	22/11/2047
	04/09/1991	केतु	14/05/2007	शुक्र	16/10/2025	सूर्य	25/06/2038	चंद्र	23/07/2049
केतु	04/06/1992	शुक्र	14/07/2010	सूर्य	22/08/2026	चंद्र	24/01/2039	मंगल	22/09/2050
शुक्र	03/02/1995	सूर्य	26/06/2011	चंद्र	22/01/2028	मंगल	23/06/2039	राहु	21/09/2053
सूर्य	22/11/1995	चंद्र	24/01/2013	मंगल	18/01/2029	राहु	10/07/2040	गुरु	22/05/2056
चंद्र	23/03/1997	मंगल	05/03/2014	राहु	07/08/2031	गुरु	16/06/2041	शनि	23/07/2059
मंगल	27/02/1998	राहु	09/01/2017	गुरु	12/11/2033	शनि	26/07/2042	बुध	23/05/2062
राहु	22/07/2000	गुरु	23/07/2019	शनि	22/07/2036	बुध	23/07/2043	केतु	23/07/2063

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/07/2063		23/07/2069		23/07/2079		23/07/2086		23/07/2104	
23/07/2069		23/07/2079		23/07/2086		23/07/2104		00/00/0000	
सूर्य	10/11/2063	चंद्र	23/05/2070	मंगल	19/12/2079	राहु	04/04/2089	गुरु	10/09/2106
चंद्र	10/05/2064	मंगल	22/12/2070	राहु	06/01/2081	गुरु	29/08/2091	शनि	24/03/2109
मंगल	15/09/2064	राहु	22/06/2072	गुरु	13/12/2081	शनि	04/07/2094	बुध	30/06/2111
राहु	10/08/2065	गुरु	22/10/2073	शनि	21/01/2083	बुध	21/01/2097	केतु	05/09/2111
गुरु	29/05/2066	शनि	23/05/2075	बुध	19/01/2084	केतु	08/02/2098		00/00/0000
शनि	11/05/2067	बुध	22/10/2076	केतु	16/06/2084	शुक्र	09/02/2101		00/00/0000
बुध	16/03/2068	केतु	23/05/2077	शुक्र	16/08/2085	सूर्य	04/01/2102		00/00/0000
केतु	22/07/2068	शुक्र	21/01/2079	सूर्य	22/12/2085	चंद्र	06/07/2103		00/00/0000
शुक्र	23/07/2069	सूर्य	23/07/2079	चंद्र	23/07/2086	मंगल	23/07/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।